



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 30 जून, 1990/9 आषाढ़, 1912

हिमाचल प्रदेश सरकार

पंचायती राज विभाग

कार्यालय आदेश

शिमला-171 002, 16 जून, 1990

संख्या पी० सी० एच०-एच० ए० (5) 16/80.—क्योंकि ग्राम पंचायत मलथेहड़, विकास खण्ड मण्डी सदर, जिला मण्डी ने अपने प्रस्ताव संख्या 2, दिनांक 18-1-86 द्वारा यह सूचित किया था कि श्री देवी शरण, पंच, ग्राम पंचायत मलथेहड़, ग्राम पंचायत की नियमित बैठकों से अनुपस्थित रह रहे हैं जिसके उपलक्ष में उपायुक्त मण्डी ने उक्त पंच को निलम्बनार्थ कारण बताओ नोटिस जारी 9-8-1988 को किया गया था तथा पंचायत निरीक्षक, विकास खण्ड मण्डी सदर द्वारा सरसरी छानबीन करवाने के फलस्वरूप यह पाया गया कि श्री देवी शरण, पंच उक्त प्रस्ताव के बाद भी 18-9-87 से पंचायत की बैठकों से अनुपस्थित रह रहे हैं।

उपरोक्त तथ्य की वास्तविकता जानने के लिए मामले में नियमित जांच जिला पंचायत अधिकारी, मण्डी से करवाई जाने पर यह स्थिति सामने आई है कि जांच दौरान उक्त पंच जांच अधिकारी द्वारा 27-10-89 तथा 8-11-89 को बुलाए जाने पर भी उनके सम्मुख उपस्थित न हुए और न ही अपनी सफाई दी, जिससे यह स्पष्ट है कि उक्त पंच ग्राम पंचायत मलथेहड़ के कार्य में कोई रुचि नहीं रखते।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 के अन्तर्गत जिसे हिमाचल प्रदेश पंचायत नियमावली के नियम 77 के साथ पढ़ा जावे उक्त श्री देवी शरण, पंच को निष्कासनार्थ यह कारण बताओ नोटिस देते हैं कि क्यों न उपरोक्त कृत्य के लिए उन्हें उनके पद से निष्कासित किया जाए ? उनका उत्तर इस नोटिस की प्राप्ति के एक माह के भीतर-भीतर उपायुक्त, मण्डी के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी को पहुंच जाना चाहिए अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

शिमला-2, 16 जून, 1990

संख्या पी0सी0एच0-एच0 ए0 (5) 16/80.—क्योंकि ग्राम पंचायत मलथेहड़, विकास खण्ड मण्डी सदर, जिला मण्डी ने अपने प्रस्ताव संख्या 2 दिनांक 18-1-1986 द्वारा यह सूचित किया था कि श्री रूप लाल, पंच, ग्राम पंचायत मलथेहड़ उक्त ग्राम पंचायतों की नियमित बैठकों में भाग न ले रहे हैं एवं क्योंकि श्री रूप लाल उक्त को इस कारण हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54(1) के अन्तर्गत उपायुक्त मण्डी द्वारा 9/88 को निलम्बनार्थ कारण बताओ नोटिस दिया गया था जिसका उत्तर उक्त श्री रूप लाल, पंच से प्राप्त हो चुका है एवं ध्यानपूर्वक अवलोकन से असन्तोषजनक पाया गया ;

क्योंकि उक्त श्री रूप लाल को इसी विषय में इस कार्यालय के समसंख्यक आदेश दिनांक 2-12-1988 द्वारा धारा 54(2) के अन्तर्गत पंच के पद से निष्कासित करने हेतु निष्कासनार्थ कारण बताओ नोटिस दिया गया था, जिसका उत्तर उक्त श्री रूप लाल से 9-1-1989 को प्राप्त हो चुका है एवं उस पर उपायुक्त, मण्डी द्वारा प्राप्त टिप्पणियों को भली भाँति अवलोकन पर श्री रूप लाल उपरोक्त का उत्तर असन्तोषजनक पाया गया ;

यह कि इस विषय सम्बन्धी उक्त श्री रूप लाल, पंच को जिला पंचायत अधिकारी (जांच अधिकारी) द्वारा भी 27-10-1989 तथा 8-11-1989 को व्यक्तिगत रूप से उनके सम्मुख अपनी सफाई प्रस्तुत करने का अवसर दिया जा चुका है और क्योंकि श्री रूप लाल, पंच ने इस अवसर का लाभ न उठाया है और न ही अपनी सफाई उनके सम्मुख पेश की है। उनका यह कृत्य स्पष्टतः करता है कि उन्हें ग्राम पंचायत मलथेहड़ के कार्य संचालन में कोई रुचि न है एवं उनका यह कृत्य पंचायत की बैठकों से उनकी अनुपस्थिति, पंचायत की बैठकों में बाधक सिद्ध हो रही है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 के अन्तर्गत उक्त श्री रूप लाल को निष्कासित करने का आदेश देते हैं।

शिमला-2, 16 जून, 1990

संख्या पी0सी0एच0-एच0 ए0 (5) 16/80.—क्योंकि ग्राम पंचायत मलथेहड़, विकास खण्ड मण्डी सदर, जिला मण्डी ने अपने प्रस्ताव संख्या 2, दिनांक 18-1-86 द्वारा यह सूचित किया था कि श्री तुलसी राम, पंच, ग्राम पंचायत मलथेहड़ उक्त ग्राम पंचायत की नियमित बैठकों में भाग न ले रहे हैं एवं क्योंकि श्री तुलसी राम उक्त को इस कारण हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54(1) के अन्तर्गत उपायुक्त मण्डी द्वारा 9/88 को निलम्बनार्थ कारण बताओ नोटिस दिया गया था जिसका उत्तर उक्त श्री तुलसी राम, पंच से प्राप्त हो चुका है एवं ध्यानपूर्वक अवलोकन से असन्तोषजनक पाया गया है ;

क्योंकि उक्त श्री तुलसी राम को इसी विषय में इस कार्यालय के समसंख्यक आदेश दिनांक 2-12-88 द्वारा धारा 54 (2) के अन्तर्गत पंच के पद से निष्कासनार्थ कारण बताओ नोटिस दिया गया था, जिसका उत्तर उक्त श्री तुलसी राम से 9-1-89 को प्राप्त हो चुका है एवं उस पर उपायुक्त, मण्डी द्वारा प्राप्त टिप्पणियों का भली-भांति अवलोकन पर श्री तुलसी राम उपरोक्त का उत्तर असन्तोषजनक पाया गया है;

यह कि इस विषय सम्बन्धी उक्त श्री तुलसी राम, पंच को जिला पंचायत अधिकारी, मण्डी (जांच अधिकारी) द्वारा भी 27-10-89 एवं 8-11-89 को व्यक्तिगत रूप में उनके सम्मुख अपनी सफाई प्रस्तुत करने का अवसर दिया जा चुका है और क्योंकि श्री तुलसी राम ने इस अवसर का लाभ न उठाया है और न ही अपनी सफाई उनके सम्मुख पेश की है, उनका कृत्य यह स्पष्ट करता है कि उन्हें ग्राम पंचायत मलयेहड़ के कार्य संचालन में कोई रुचि नहीं है एवं उनके यह कृत्य पंचायत की बैठकों से उनकी अनुपस्थिति पंचायत की बैठकों में बाधक सिद्ध हो रही है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 के अन्तर्गत उक्त श्री तुलसी राम को उनके पद से निष्कासित करने का आदेश सहर्ष देते हैं।

शिमला-2, 22 जून, 1990

संख्या पी0 सी0 एच0-एच0 ए0 (5) 227/77.-राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के उपयोग में अतिरिक्त उपायुक्त, कांगड़ा के आदेश संख्या 1987-91, दिनांक 5 अप्रैल, 1990 जिसके अन्तर्गत उन्होंने श्री ओम प्रकाश, प्रधान, ग्राम पंचायत बग-गुलेहड़, विकास खण्ड नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा को प्रधान के पद से निष्कासनार्थ कारण बताओ नोटिस जारी किया था, को इसलिए रद्द करने का सहर्ष आदेश देते हैं कि क्योंकि निष्कासन हेतु कारण बताओ नोटिस देने के लिए वह सक्षम नहीं ह।

हस्ताक्षरित/-
अवर सचिव।

